[This question paper contains 4 printed pages.]



Your Roll No...2.0.2.3

Sr. No. of Question Paper: 3468

Unique Paper Code : 62324407

Name of the Paper : Introduction to International

Relations

Name of the Course : B.A. (Program) Political

Science

पाठयक्रम का नाम : बी.ए. (प्रोग्राम) राजनीति विज्ञान

Semester/Annual : W

सेमेस्टर/वार्षिक

Duration: 3 Hours Maximum Marks: 75

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

- 2. Attempt Any Four questions.
- 3. All questions carry equal marks.
- 4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

छात्रों के लिए निर्देश

- इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
- किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।
- सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
- इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
- 1. Morgenthau's Realism has made significant contribution to the study of International Relations Discuss.

अंतरराष्ट्रीय संबंधों के अध्ययन में मोर्गेथाऊ के यथार्थवाद का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। टिप्पणी कीजिए।

 Examine the Neo-Realist approach of structural relations as propounded by Kenneth Waltz.

केनेथ वॉल्ट्ज द्वारा प्रतिपादित नव यथार्थवादी उपागम का परीक्षण कीजिए।

3. Critically examine the World System theory of Immanuel Wallerstein.

Download all NOTES and DADEDS at StudentSwidh

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

इमानुएल वॉलस्टाइन के विश्व व्यवस्था उपागम का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

4. What is Detente? Discuss the causes responsible for the collapse of Detente.

देतांत क्या है? देतांत के पतन के उत्तरदायी कारणों की विवेचना कीजिए।

5. Critically evaluate the factors responsible for the end of Cold War and it's impact on international politics.

शीत युद्ध की समाप्ति के क्रिनरदायी कारकों एवं अंतर्राष्ट्रीय राजनीति पर उसके प्रभावों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

6. Is there a paradigm shift in India's foreign policy in post-cold war era? Give reasons with reference to the objective and principles of India's foreign policy.

क्या उत्तर शीतकाल युग में भारत की विदेश नीति में प्रतिमान विस्थापन हुआ है? भारत की विदेश नीति के उद्देश्य एवं सिद्धातों के संदर्भ में अपना पक्ष प्रस्तुत करें।

7. Discuss India's role as an emerging power in the contemporary era of multipolar world.

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

वर्तमान बहुधुवीय विश्व में भारत की उभरती शक्ति की भूमिका का वर्णन करें।

- 8. Write short notes on Any Two of the following:

 निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:
 - (a) Feminist Approach in International Relations अंतरराष्ट्रीय संबंधों का नारीवादी परिपेक्ष
 - (b) Causes of the Second World War
 - (c) Dependency Theory

पराश्रय सिद्धान्त

(d) European Union

यूरोपीन संघ